मार्च - अप्रैल 2026

बालमन उत्तर प्रदेश इकाई की प्रस्तुति

रेलगाड़ी

बालमन एक्सप्रेस

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

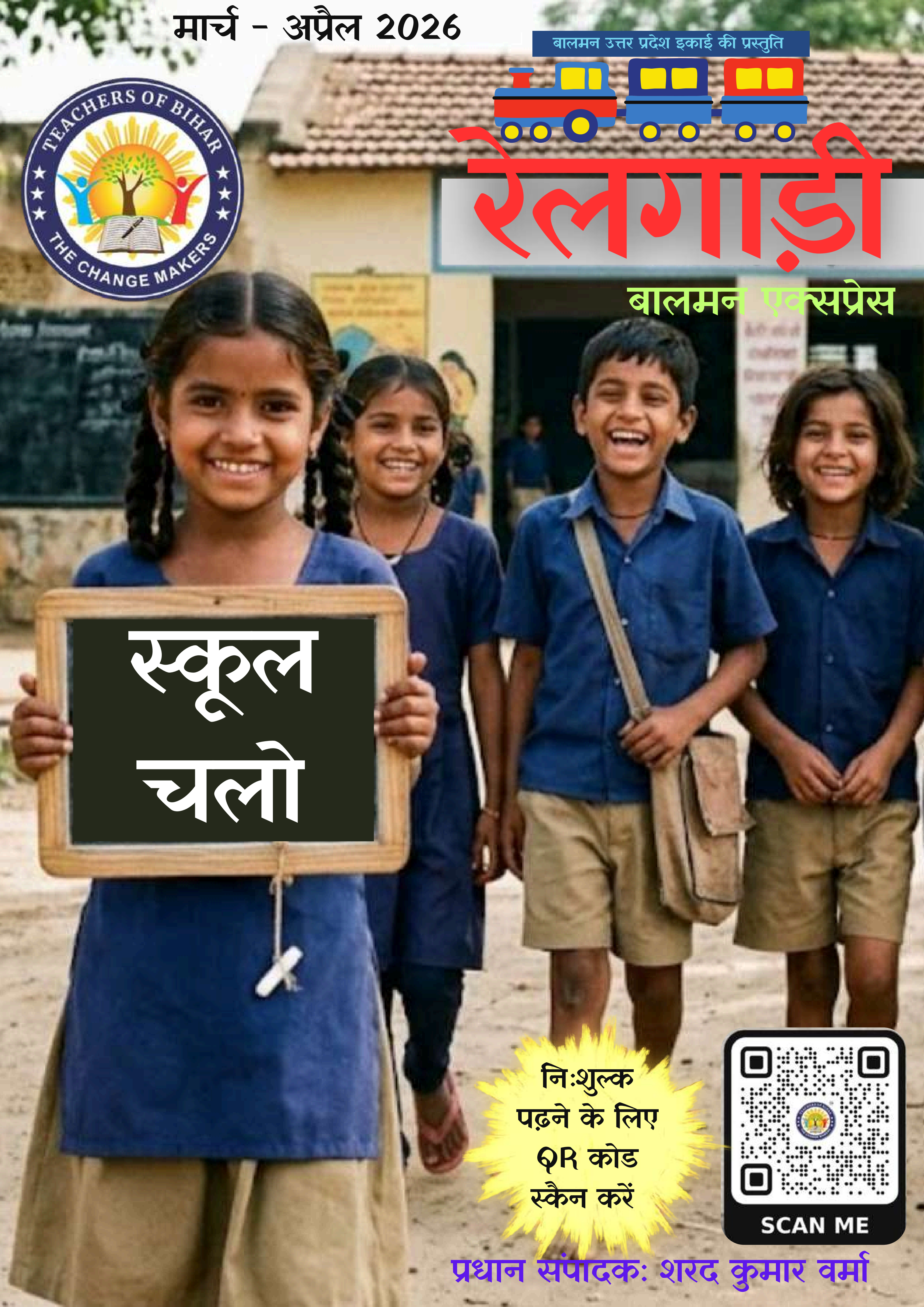

निःशुल्क पढ़ने के लिए QR कोड स्कैन करें

SCAN ME

प्रधान संपादक: शरद कुमार वर्मा

प्रधान संपादक की कलम से

प्रिय बच्चों,

पिछले दिनों मैं लखनऊ के स्मृति उपवन पार्क में गया। वहां के हरे- भरे सुंदर प्राकृतिक दृश्यों के अलावा दो अन्य चीजें आगंतुकों का ध्यान अपनी ओर खींचती हैं पहला पार्क में घूमते हुए मोर और दूसरा तालाब में तैरती बतखें।

शाम हो चली थी; अब पार्क में सैकड़ों बतखों का तालाब के पानी से निकलकर अपने घरों में जाने का समय हो गया था। पार्क के एक कर्मचारी जैसे ही उस सरोवर के निकट पहुंचे और उन्होंने हाथ का एक इशारा किया। तो वे सभी पक्षी पानी से निकल- निकलकर एक कतार में होकर अपने आवास की ओर चलने लगे। उनका यह व्यवहार मेरे मन को भा गया। उन सफेद पंछियों का एक लाइन बनाकर अपने घर की ओर जाना अनुशासन का पाठ पढ़ा रहा था।

' रेलगाड़ी' पत्रिका में सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों मौलिक रचनाओं का स्वागत है। हिन्दी के शिक्षकों से मेरा विशेष निवेदन है कि वे रचनात्मक हिन्दी को बढ़ावा देने के लिए अपने छात्र एवं छात्राओं को कुछ नया लिखने के लिए प्रेरित कीजिए और उसे' रेलगाड़ी 'में प्रकाशन के लिए भेजें। साथ ही अपने विद्यार्थियों की चित्रकारी को रेलगाड़ी के सशक्त माध्यम से हजारों पाठकों तक पहुंचाइए।

जय शिक्षा, जय शिक्षार्थी।

शरद कुमार वर्मा
शिक्षक,
रेलवे उच्चतर माध्यमिक विद्यालय,
चारबाग ,लखनऊ

अनमोल सुविचार

रेलगाड़ी
बालमन एक्सप्रेस

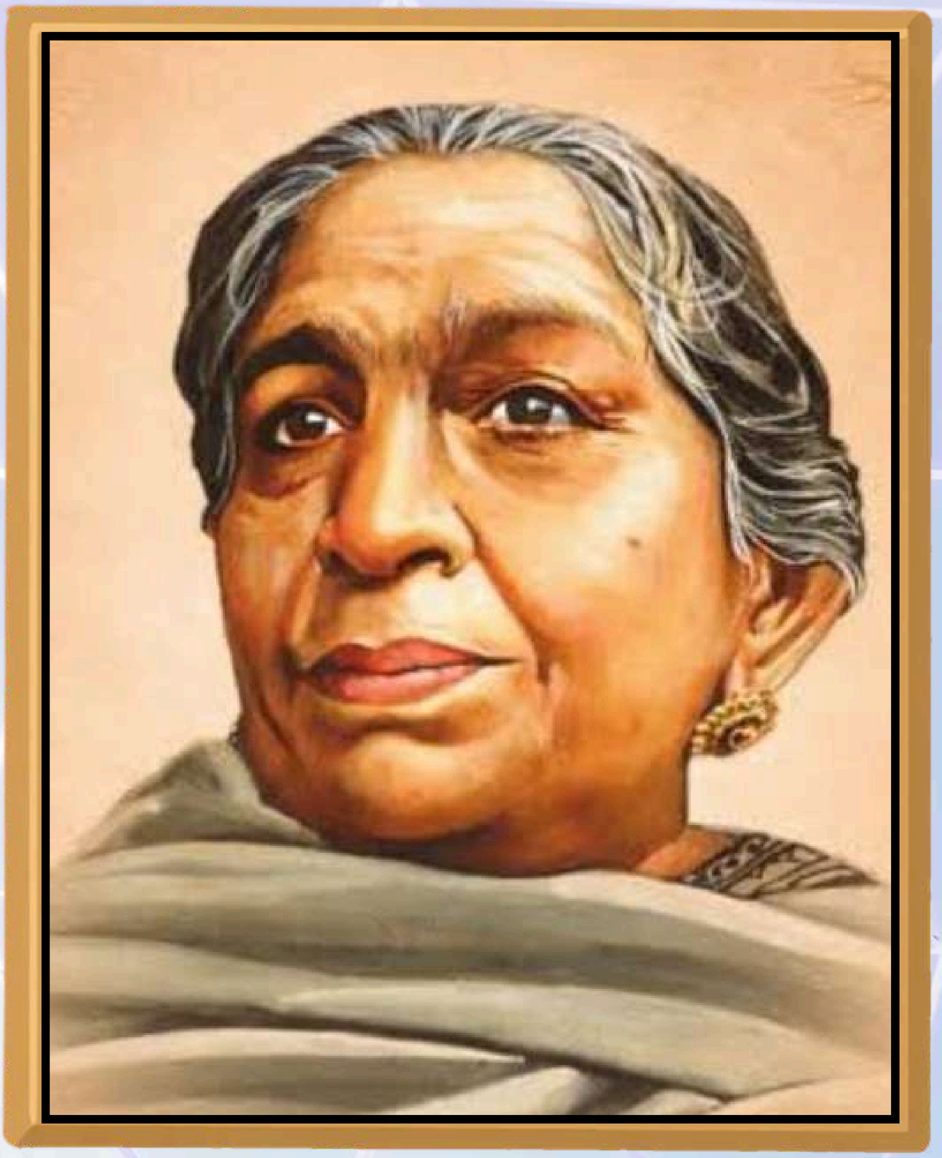

"अपने भीतर की सोई हुई शक्ति को जगाओ, वही तुम्हारा भविष्य रचेगी "

- सरोजिनी नायडू

बालमन

स्वास्थ्य सुझाव

Health is wealth

स्वस्थ जीवनशैली से पाए स्वस्थ जीवन

गर्मी में स्वस्थ रहने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी (रोजाना 8-10 गिलास) पिएं, बाहर निकलते समय सनस्क्रीन लगाएं, हल्के और ढीले सूती कपड़े पहनें

CYBER मंत्र

साइबर शिक्षा से साइबर सुरक्षा

साइबर मंत्र (Cyber Mantra) का मुख्य उद्देश्य डिजिटल दुनिया में सतर्कता और सुरक्षा है। भारत सरकार के अनुसार, साइबर फ्रॉड से बचने का मूल मंत्र "रुको, सोचो और फिर कार्रवाई करो" (Stop, Think, Act) है। संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें, निजी जानकारी साझा न करें और डिजिटल अरेस्ट के दावों से बचें, क्योंकि जांच एजेंसियां वीडियो कॉल नहीं करतीं।

OLD IS GOLD

चलते - चलते

राम गोपाल बाजपेई

उत्तर प्रदेश के शहर कानपुर के 79 वर्षीय राम गोपाल बाजपेयी जी इस उम्र में भी वे सुबह 5 बजे उठकर ताइक्वांडो की प्रैक्टिस करते हैं। हाल ही में उन्होंने कूकीवॉन कप में गोल्ड मेडल जीता है। अब उनका अगला लक्ष्य 2026 वर्ल्ड ताइक्वांडो चैंपियनशिप में देश को गोल्ड दिलाना है।

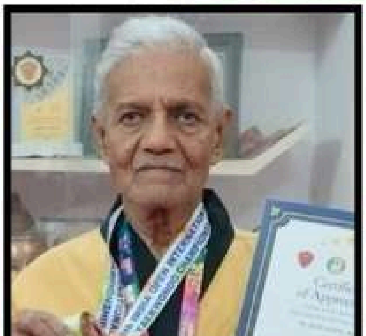

बालमन रोचक तथ्य

राकेश कुमार
मध्य विद्यालय बलुआ, मनेर, पटना

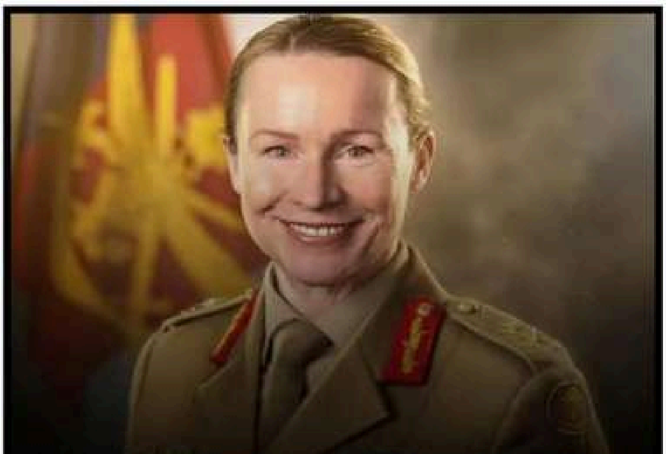

ऑस्ट्रेलिया में 125 साल में पहली बार देश की सेना की कमान अब पहली बार एक महिला के हाथों में होगी। लेफ्टिनेंट जनरल सुसान कोयले अब इस पदभार को संभालेंगी।

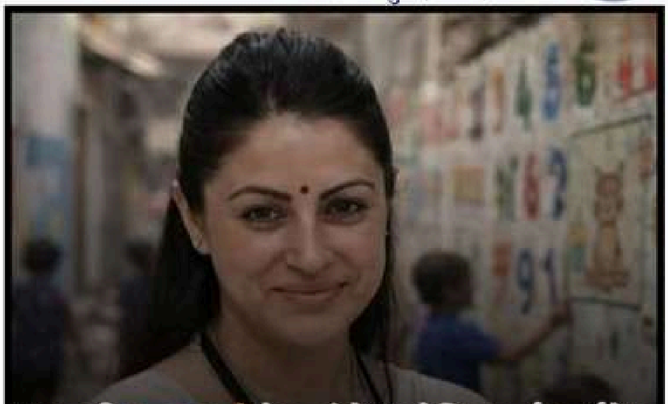

भारत की रूबल नागी ने दुबई में आयोजित वर्ल्ड गवर्नमेंट समिट में ग्लोबल टीचर प्राइज 2026 जीतकर देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने सीमित संसाधनों और कला-लगन से झुग्गी-झोपड़ियों के बच्चों को शिक्षित किया है।

बालमन शिक्षा शब्दकोश

शिक्षा में प्रोटोटाइप

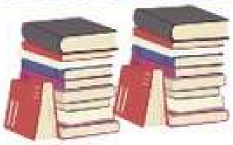

शिक्षा में प्रोटोटाइप का अर्थ एक ऐसी शिक्षण पद्धति या प्रक्रिया से है जहाँ छात्र किसी समस्या का समाधान खोजने के लिए एक प्रारंभिक मॉडल या नमूना (Prototype) तैयार करते हैं। यह 'करके सीखने' (Learning by doing) के दृष्टिकोण पर आधारित है, जिससे छात्रों में तार्किक सोच और समस्या-समाधान कौशल का विकास होता है।

विज्ञान कॉर्नर

राम बाबू राम (प्रधान शिक्षक)
नव.प्रा.वि.सदाटोल ईमादपुर गढ़पुरा, बेगूसराय

शाकाहारी

जो जीव पौधे तथा उनके उत्पाद को खाते हैं उन्हें शाकाहारी कहते हैं।

जैसे- गाय, बकरी, भैंस आदि।

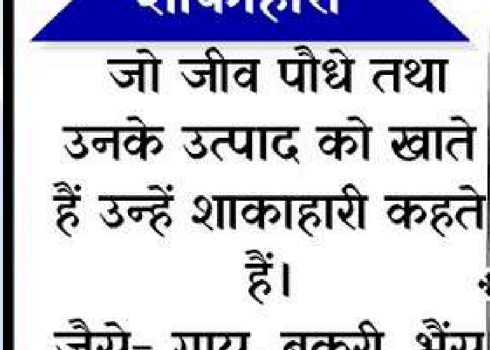

मांसाहारी

जो जीव किसी जंतु तथा उसके उत्पाद को खाते हैं उसे मांसाहारी कहते हैं।

जैसे- बाघ, शेर,गिद्ध, शार्क आदि।

सर्वाहारी

जो जीव पौधे तथा जंतुओं दोनों को खाते हैं उसे सर्वाहारी कहते हैं।

जैसे - मनुष्य, भालू, कुत्ता, कौआ आदि।

खेल कॉर्नर
तैराकी (Swimming)
तैराकी के मुख्य प्रकार
फ्रीस्टाइल
(शरीर को क्षैतिज रखते हुए सामने की ओर तेजी से तैरना।)
बैकस्ट्रोक
(पीठ के बल तैरना)
(पीठ के बल तैरते हुए, हाथ एक-एक करके घुमाना।)
ब्रेस्टस्ट्रोक (ब्रेस्टस्ट्रोक)
(हाथों और पैरों के गोल घुमावदार आंदोलनों के साथ तैरना।)
बटरफ्लाई (तितली स्ट्रोक)
(सबसे चुनौतीपूर्ण स्ट्रोक, जिसमें दोनों हाथ एक साथ ऊपर उठते हैं और लहरदार लात पड़ती है।)
तैराकी के फायदे
दिल का स्वास्थ्य
(हृदय गति और रक्त संचार को बेहतर बनाता है।)
मांसपेशियों की मजबूती
(पूरे शरीर की मांसपेशियों को टोन और मजबूत करता है।)
लचीलापन
(जोड़ों और रीढ़ की हड्डी के लचीलेपन को बढ़ाता है।)
वजन नियंत्रण
(कैलोरी जलाने में बहुत प्रभावी, वजन कम करने में मदद करता है।)
मानसिक शांति
(तनाव को कम करने और मानसिक स्वास्थ्य को सुधारने में मदद करता है।)
तैराकी एक जीवनरक्षक कौशल और उत्कृष्ट व्यायाम है।
राकेश कुमार
www.teachersofbihar.org

बाल रचनाकार बने

अपने पेन /पेंसिल से कुछ लिखिए

इस चित्र को देखकर आपके मन में जो कुछ भीआपके मन में कोई कविता, कहानी या लेख आए ; उसे लिखकर रेलगाड़ी पत्रिका को 9838214110 पर भेज दीजिए। जिसे आपके नाम एवं फोटो के साथ प्रकाशित किया जाएगा।

खुशी की ऊंचाई

मैं बीते साल में सोचती रही कि अगले साल कक्षा 10 में आऊंगी; कितना खुशी देने वाला होगा वह दिन। क्योंकि वह कक्षा विद्यालय की सबसे ऊंची क्लास होगी। किसी भी मेहनत के बाद ऊंचे स्थान पर पहुंचना बहुत उत्साह देने वाला होता है। मुझे याद है जब मेरे घर में सीढ़ी बनी और तब मैं पहली बार अपने घर की छत पर चढ़ी और अपने पड़ोसियों के घरों को ऊंचाई से पहली बार देखा तो लगा मुझे पंख लग गए हैं और मैं उड़ रही हूं। उस खुशी की ऊंचाई को नापा नहीं जा सकता ।

- हिमांशी
कक्षा 10
रेलवे हायर सेकेंड्री स्कूल,
चारबाग ,लखनऊ

बालमन कविता

दोस्ती का उपहार

चिड़िया बोली मछली से,
आओ करें हम दोस्ती,
तुम हो जल की रानी
मैं बाशिंदा आसमानी।

मछली रानी बोली हँसकर
कैसे मिलेंगे हम दोनों?
तुम उड़ती हो नभ में ऊपर,
मैं रहती हूँ जल के भीतर।

चिड़िया लाई दाना थोड़ा,
जल में उसे बिखेर दिया,
मछली ने खुशी खुशी आकर,
चट से उसको खा लिया।

मछली लाई कीड़ा छोटा,
पानी की सतह तक आई,
चिड़िया ने झट उसे खाया,
खाकर ऊंची उड़ान लगाई।

दोनों की यह दोस्ती प्यारी
सबको एक बात सिखाए,
मिल-बाँटकर जो खाए
खिलाए
सच्ची दोस्ती का उपहार पाए।

ट्विंकल तोमर सिंह
शिक्षिका
एवं लेखिका
लखनऊ

कला जंक्शन

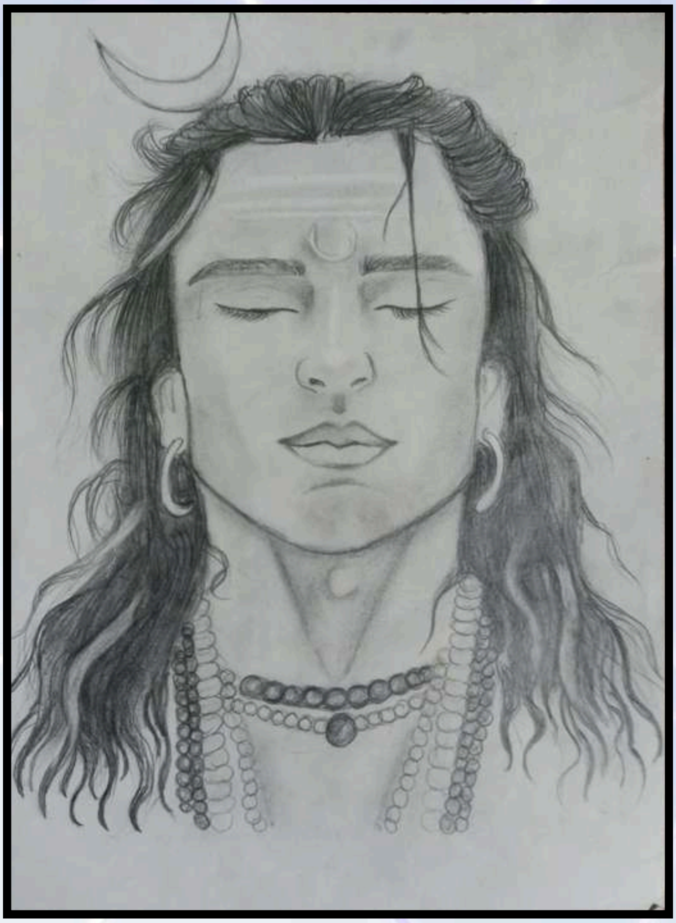

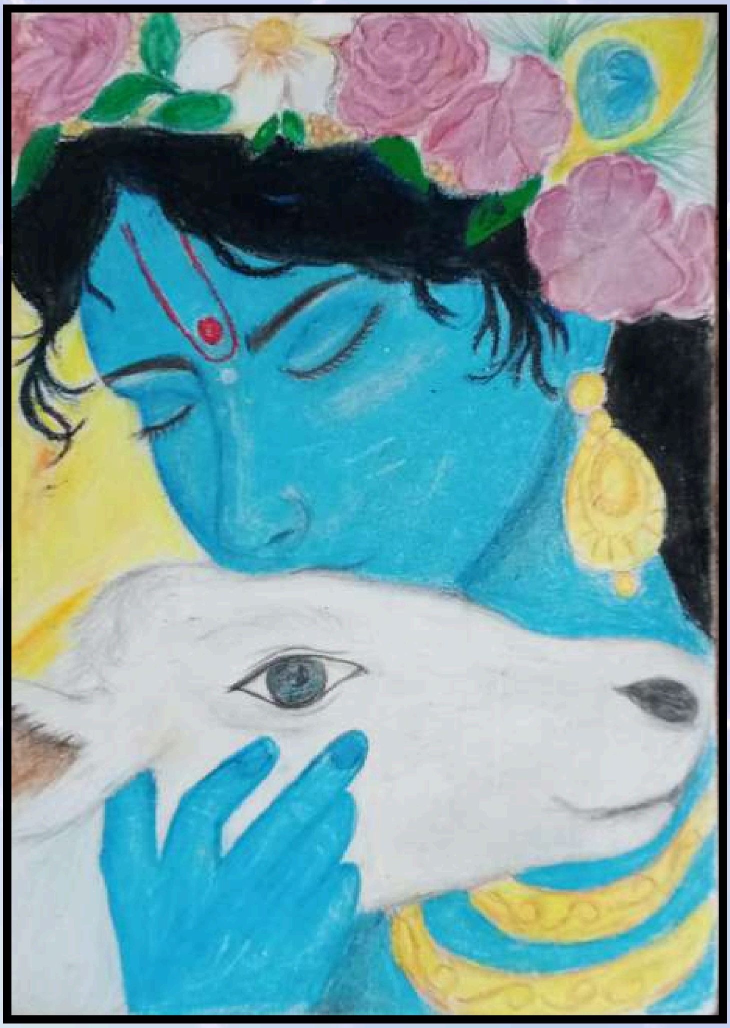

चित्रकार -नैना
कक्षा 7,
सिंधी विद्यालय गर्ल्स इंटर कॉलेज, लखनऊ

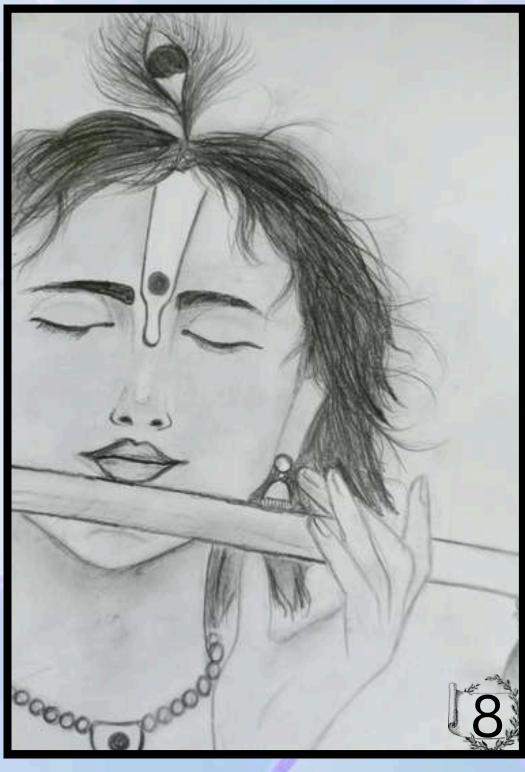

TEACHERS OF BIHAR

आओं सीखें

आशा

यह मन की एक सकारात्मक भावना होती हैं । इसमें अनिश्चितता होती है, बस अच्छा होने की उम्मीद रहती है।यह किसी से बंधी नहीं होती, बल्कि भीतर से आती है। यह अक्सर हमें प्रेरणा और साहस देती है।

जैसे :- विद्यार्थी को आशा है कि वह परीक्षा में पास होगा।

VS

अपेक्षा

यह किसी से की गई ठोस उम्मीद होती है। इसमे किसी से निश्चित रूप से कुछ पाने की चाह होती हैं। इसमें अक्सर जवाबदेही जुड़ी होती है यानी जिससे अपेक्षा की जाती है, उससे काम करना ही होगा। अपेक्षा न पूरी होने पर निराशा या शिकायत हो सकती है।

जैसे :- शिक्षक को अपेक्षा है कि विद्यार्थी समय पर गृहकार्य करेंगे।

संक्षेप में :-

- आशा = मन की सकारात्मक उम्मीद (भीतर से आने वाली)
- अपेक्षा = दूसरों से परिणाम की चाह (बाहर से जुड़ी हुई)

पेड़ों का 'स्मार्टफोन' नेटवर्क: क्या पौधे भी बातें करते हैं?

हम सब जानते हैं कि इंसान आपस में बात करने के लिए स्मार्टफोन का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि आपके बगीचे में खड़े पेड़ भी एक-दूसरे को 'मैसेज' भेजते हैं?

1. बायो-इलेक्ट्रिक सिग्नल्स (Natural Wi-Fi)

वैज्ञानिकों ने खोजा है कि पौधे चुपचाप खड़े नहीं रहते। जब किसी पौधे की पत्ती को कोई कीड़ा खाता है, तो वह पूरे पौधे में 'बायो-इलेक्ट्रिक सिग्नल्स' भेजता है। यह बिल्कुल वैसा ही है जैसे हमारे शरीर में नसें (Nerves) बिजली की गति से दिमाग तक संदेश पहुँचाती हैं।

2. कैल्शियम की लहर (Calcium Wave)

जैसे ही पौधे को चोट लगती है, उसके अंदर कैल्शियम की एक लहर दौड़ती है। यह लहर दूसरी पत्तियों को चेतावनी देती है कि वे अपना बचाव शुरू कर दें। बचाव के लिए पौधे अपनी पत्तियों को कड़वा बना लेते हैं ताकि कीड़े उन्हें न खा सकें।

3. छुई-मुई का उदाहरण

'छुई-मुई' (Mimosa) का पौधा इसका सबसे अच्छा उदाहरण है। उसे छूते ही जो बिजली की लहर दौड़ती है, उसी की वजह से वह अपनी पत्तियां तुरंत बंद कर लेता है।

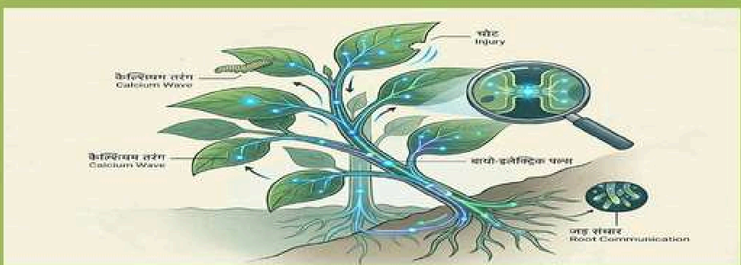

यह चित्र एक पौधे के आंतरिक हिस्से को एक वैज्ञानिक आरेख (diagram) के रूप में दिखाता है, जिसमें चमकदार नीली और हरी रेखाएँ बायो-इलेक्ट्रिक सिग्नलों या 'कैल्शियम की लहरों' को दर्शाती हैं, जो पौधे के तने और पत्तियों के माध्यम से चलती हैं।

छात्रों के लिए सोचने वाली बात: - अगर पौधे एक-दूसरे की मदद कर सकते हैं, तो क्या हमें भी प्रकृति की रक्षा के लिए एक-दूसरे के साथ मिलकर काम नहीं करना चाहिए?

प्रस्तुतकर्ता– ब्रजेश कुमार(प्रधान शिक्षक), न्यू प्राथमिक विद्यालय कझारघाट, कुदरा, कैमूर

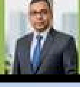

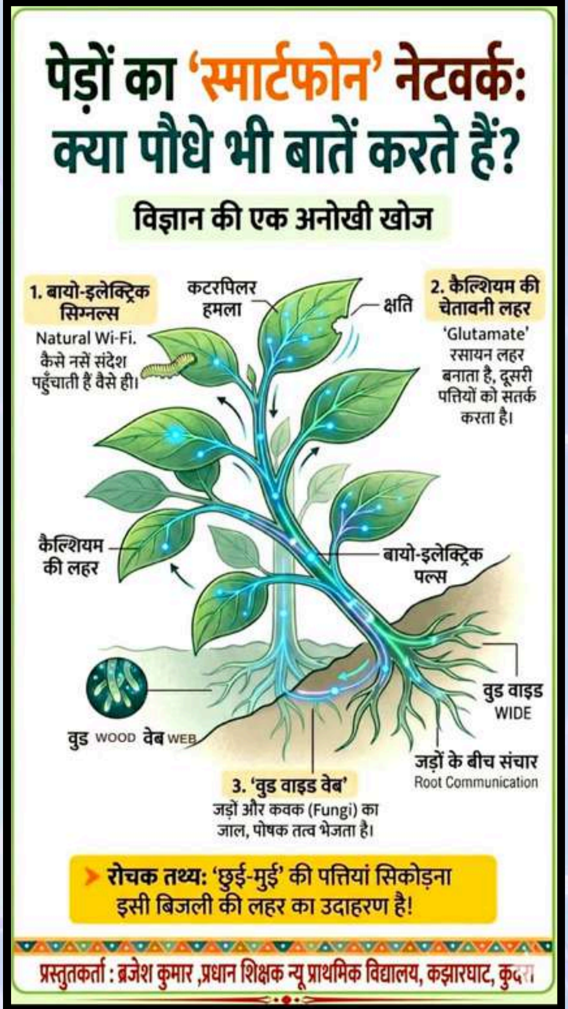

पृथ्वी दिवस 22 अप्रैल पर विशेष

जब विद्यालय बना प्रकृति का आंगन

रेलगाड़ी दिवस विशेष

निशि श्रीवास्तव(शिक्षिका)
सिंधी विद्यालय गर्ल्स इंटर कॉलेज, लखनऊ

पृथ्वी दिवस का दिन हमारे विद्यालय के लिए हर साल एक त्यौहार जैसा होता है। लेकिन इस बार का आयोजन कुछ खास था, क्योंकि इस बार मंच, माइक और कुदाल – तीनों छात्राओं के हाथ में थे। हमने सिर्फ कार्यक्रम में भाग नहीं लिया, बल्कि धरती माँ से सीधा संवाद किया।

रंगों से बोली धरती

सुबह की पहली घंटी के साथ ही कला कक्ष पोस्टरों के रंगों से भर गया। मैंने 'एक पेड़ = हजार उपहार' स्लोगन के साथ एक विशाल बरगद बनाया, जिसकी जड़ों में ऑक्सीजन, फल, छाया और बारिश लिखी थी। पोस्टर बनाते समय ही हम समझ गईं कि ब्रश की एक-एक लकीर जिम्मेदारी माँगती है। जब प्राचार्या मैम ने कहा, "तुम्हारे पोस्टर दीवार नहीं, सोच पर लगने चाहिए", तो लगा हमारा उद्देश्य पूरा हुआ।

शब्दों ने जगाई चेतना

प्रार्थना सभा के बाद मंच हमारा था। कक्षा 11 की छात्रा ने जब आँकड़े रखे "हर मिनट 2400 पेड़ कटते हैं, हर सेकंड 160 टन प्लास्टिक बनता है" – तो पूरा मैदान सन्न रह गया। मैंने अपने भाषण में गाँव की उस सूखी नदी का जिक्र किया जहाँ बचपन में मैं जाया करती थी। बोलते-बोलते गला रुंध आया, पर तालियों की गड़गड़ाहट ने हिम्मत दी। भाषण देना सिर्फ बोलना नहीं था, वह खुद से वादा करना था कि जो कहा, वो जीयेंगे।

कविता में ढली करुणा

भाषणों के बाद कविताओं की बारी आई। और कक्षा 6 की छात्राओं ने अपनी-अपनी आवाज में कविता को पढ़ा –
"माँ कहती है धरती अपनी, फिर क्यों कूड़ा फेंकें हम?
पेड़ लगाएँ, जल बचाएँ, तब ही सच्चे नेक बनें हम।"
पूरे स्कूल ने समवेत में अंतिम पंक्ति दोहराई। कविता ने बता दिया कि पर्यावरण का संदेश सबसे सरल भाषा में ही सबसे गहरा उतरता है।

मिट्टी से नाता

कार्यक्रम का सबसे सुखद हिस्सा था अंतिम घंटा। स्कूल के पीछे वाले खाली मैदान में हमने आम, नीम, अमरूद और पीपल के पौधे रोपे। मेरे हिस्से आया पीपल का पौधा। माली दादा ने कहा, "बेटा, इसे अपना नाम दे दो, रोज मिलने आना।" मैंने मिट्टी को थपथपाते हुए उसका नाम रखा *'निशी* '।
हाथ मिट्टी से सने थे, पर मन एकदम साफ। पानी डालते समय लगा जैसे हम पृथ्वी का कर्ज उतार रहे हैं।

झटपट

दीदी की टॉफी चटपट
चुपके से खा ली झटपट।
मांगी जब मुझसे वापस
भागी वहां से मैं सरपट।।

- सूफिया फातिमा
कक्षा 10
रेलवे हायर सेकेंड्री स्कूल
चारबाग, लखनऊ

रेलगाड़ी बालमन रंगशाला

दिव्या, कक्षा 7

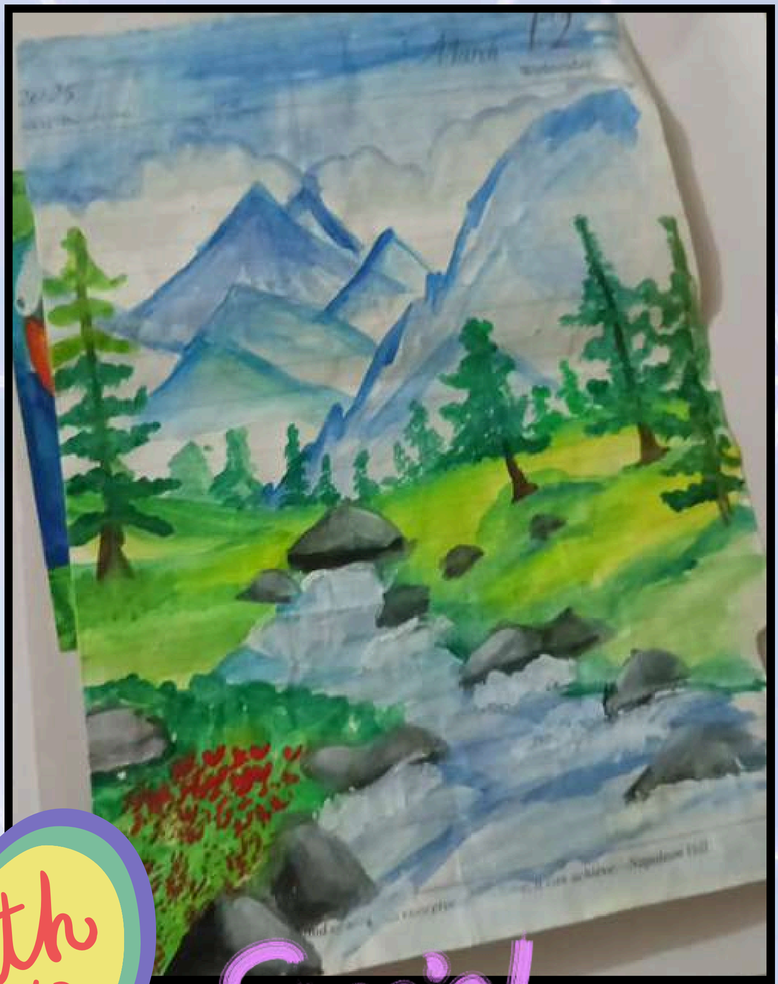

Earth day Special

सेजल वर्मा, कक्षा 4

मानसी पाल ,कक्षा 10

सिंधी गर्ल्स विद्यालय इंटर कॉलेज, लखनऊ
के विद्यार्थियों की कला प्रतिभा

वर्तिका कुमारी, कक्षा 9

बालमन रेलगाड़ी

कहानी यात्रा

पूर्वाग्रह

गाँव के उच्च प्राथमिक विद्यालय से कक्षा 8 पास करने के बाद शिवा का एडमिशन कस्बे के इंटर कॉलेज में हो गया। बड़ा स्कूल, नए सहपाठी और नए शिक्षक। सब नया ही नया।

कक्षा अध्यापक श्रीवास्तव सर कक्षा में आए। बिल्कुल गंभीर। चेहरे पर कोई हँसी नही। गणित के शिक्षक और कक्षा अध्यापक भी! बच्चे परेशान। शिवा के मन में उनकी एक अलग ही तस्वीर बन गयी। कड़क मिजाज वाले सर।

अगले दिन सर ने सभी से टेबल सुनाने को कहा। शिवा डर के मारे टेबल याद होने के बावजूद सुना नही पाया। सर ने अगले दिन के लिए अल्टीमेटम दे दिया।

छुट्टी के बाद जब वह घर पैदल जा रहा था, उसे श्रीवास्तव सर की आवाज सुनाई दी," अरे शिवा, तुम पैदल घर जा रहे हो! कहाँ रहते हो?"

शिवा ने डरते-डरते हकलाते हुए कहा," सर सर सर, पास के गाँव राजपुरा में।" श्रीवास्तव सर ने कहा,"आओ मैं तुम्हे छोड़ दूँगा। मैं उसी रास्ते से जा रहा हूँ।"

सकुचाते हुए शिवा सर की बाइक पर बैठ गया। सर ने रास्ते भर शिवा से खूब बातचीत की।

शिवा को बहुत आनंद आया। उसे अपनी गलती पर पछतावा भी हुआ। उसने सोंचा सर तो बहुत अच्छे हैं। अनजाने ही उसने सर के बारे में बुरी राय बना ली थी। शिवा ने घर जाकर पूरा किस्सा अपनी माँ को सुनाया। माँ ने कहा,"बिना किसी को जाने हमें उसके बारे में कोई राय नहीं बनानी चाहिए। इसे पूर्वाग्रह कहते हैं।"

अनुपम तिवारी
(शिक्षक)
लखनऊ (उत्तर प्रदेश)

सरकारी विद्यालय की बदलती तस्वीर

बालमन रेलगाड़ी की

शाबासी

90 प्रतिशत से अधिक अंक पाये अनुकल्प ने

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से एक बहुत अच्छी खबर यह है कि अमीनाबाद इंटर कॉलेज केअनुकल्प गुप्ता ने यू पी बोर्ड की हाईस्कूल परीक्षा में 90.5 प्रतिशत अंक पाकर अपना एवं अपने विद्यालय का नाम ऊंचा किया है। अनुकल्प आगे की पढ़ाई करके रक्षा सेवा जाना चाहता है। वह अच्छे विद्यार्थी होने के साथ- साथ देशभक्त है और भारत मां की सेवा करना चाहता है।

Congratulations

नारी शक्ति वंदन

आर.आर.बी. इंटर कॉलेज, कमालपुर, सीतापुर में नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम

20 अप्रैल को सीतापुर स्थित आर आर बी इंटर कॉलेज में नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्राओं ने नारी शक्ति विषय पर आधारित पोस्टर बनाए और अनेक खेलकूद प्रतियोगिताएं हुईं।

डंकी और मंकी

अंग्रेजी में बंदर को मंकी कहते हैं और गधे को डंकी कहते हैं। एक दिन डंकी और मंकी मेरे पास आए। वे मुझसे बोले हिन्दी में भाई- भाई या बहन- बहन के नाम आपस में मिलते जुलते रहते हैं जैसे बबलू, डब्लू, गोलू भोलू बबली डबली आदि आदि। लेकिन हमारे डंकी और मंकी नाम कैसे आपस में इतने मिलते जुलते हैं। हमने कोई समानता भी नहीं है मैं एक पेड़ पर रहता हूं और डंकी जमीन पर। डंकी ढेंचू ढेंचू करता है और बंदर खी खी।

मैं सोचने लगा कि बात तो दोनों की बात तो सही है । फिर मुहावरे के अनुसार बंदर अदरक के स्वाद नहीं जानता, लेकिन गधे से अधिक समझदार दिखाई देता है। उनके इस प्रश्न ने मेरे उथल पुथल मचा दी थी। डंकी और मंकी ने मेरे माइंड को जंपी बना दिया था।

-कृष्णा जायसवाल, कक्षा 10, रेलवे हायर सेकेंड्री स्कूल चारबाग, लखनऊ

विश्व पुस्तक दिवस

23 अप्रैल पर विशेष

किताबों से दोस्ती कर लो

वाल्ट डिज्नी ने कहा था कि किताबों में इतना खजाना है कि जितना ट्रेजर आइसलैंड पर समुद्री डाकुओं के सारे खजाने में भी नहीं"

विद्वानों का कथन है कि दुनिया में वह इंसान सबसे अधिक धनी है जिनकी मित्र पुस्तकें होती हैं। यह सच्चाई हैं। क्योंकि किताबें हमें ज्ञान से भर देती हैं ।हमें जानकर व्यक्ति बनाती हैं। पुस्तकों के ज्ञान का सदुपयोग करके हम जिस भी दिशा में भी आगे बढ़ते हैं। सफलता हमारे कदम चूमती है।

इसलिए विद्यार्थियों , पुस्तकों को अपना सच्चा दोस्त बनाने के लिए आगे बढ़ो। संकल्प लो, प्रत्येक सप्ताह एक नई किताब पढ़ेंगे। अपनी कक्षा के पाठ्यक्रम की किताबों के अतिरिक्त अन्य बाल पत्रिकाएं और समाचार पत्र भी पढ़ो। जिससे तुम्हारी सोंच विकसित हो और तुम अपनी तरक्की के लिए सही मार्ग चुन सको। किताबों से दोस्ती करने वाला कभी अकेला नहीं रहता क्योंकि उसके साथ पूरा जहान चलता है।

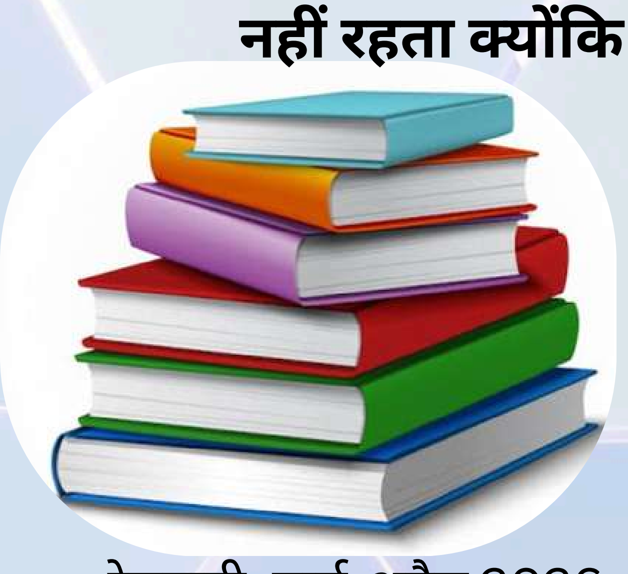

(रेलगाड़ी संपादकीय डेस्क)

रेलगाड़ी खिड़की

रामाधीन इंटर कॉलेज, बाबूगंज, लखनऊ में 'पृथ्वी दिवस' पर विद्यार्थियों ने कला के माध्यम से अपनी अभिव्यक्ति दी।

बालमन रेलगाड़ी

कविता

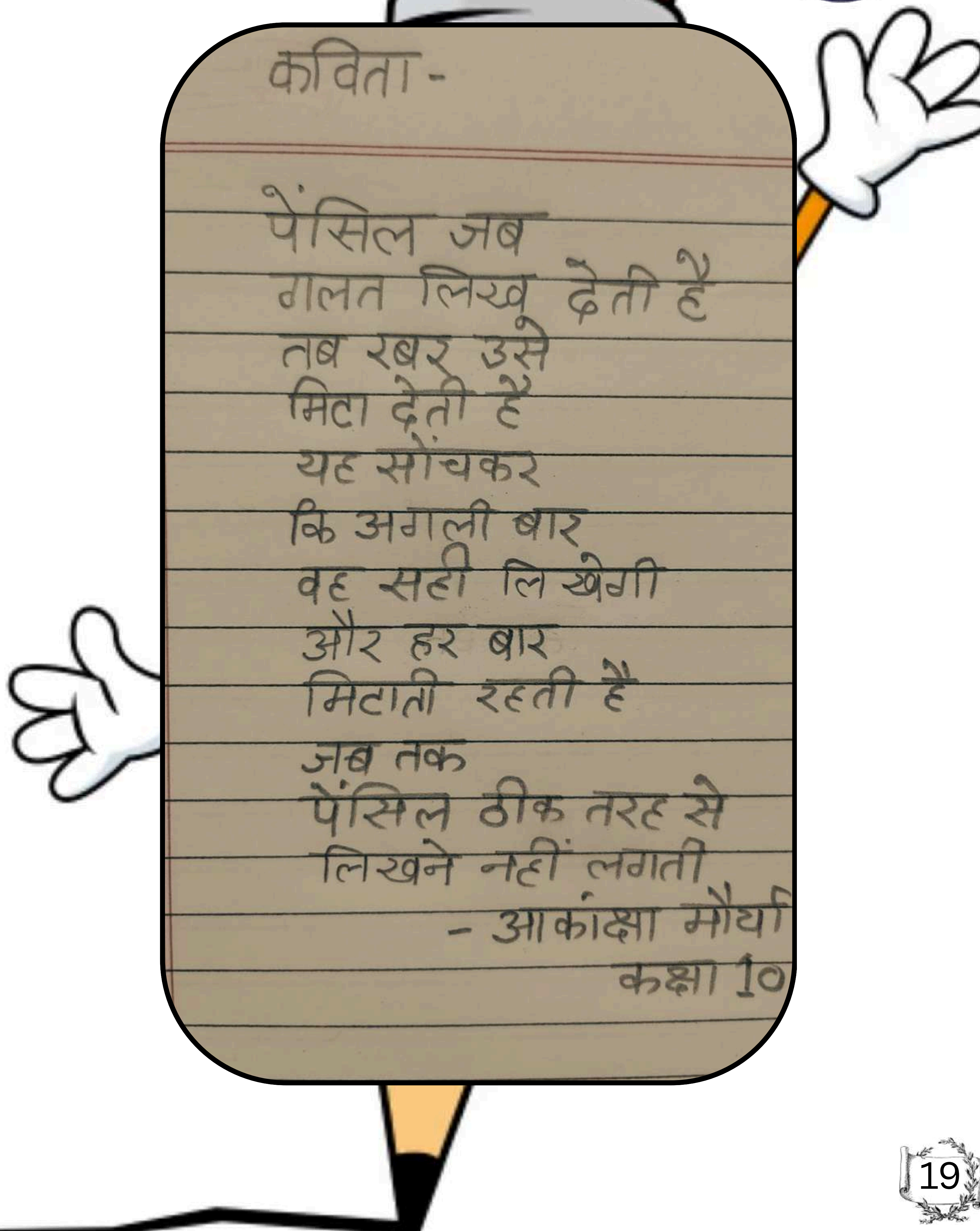

कविता -

पेंसिल जब
गलत लिख देती है
तब रबर उसे
मिटा देती है
यह सोचकर
कि अगली बार
वह सही लिखेगी
और हर बार
मिटाती रहती है
जब तक
पेंसिल ठीक तरह से
लिखने नहीं लगती

- आकांक्षा मौर्या
कक्षा 10

खेल - स्टेशन

सांसद खेल की धुरंधर: स्वास्तिका

लखनऊ। हाल ही में हुए सांसद खेल आयोजन में सिंधी विद्यालय गर्ल्स इंटर कॉलेज की कक्षा 11 की छात्रा स्वास्तिका अवस्थी ने कबड्डी प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त कर अपना और अपने विद्यालय का नाम रौशन किया। रेलगाड़ी पत्रिका की ओर से बिटिया को बहुत बहुत बधाई।

पिछले अंक को पढ़ने के लिए पत्रिका पर क्लिक करें 👉

' रेलगाड़ी '
के अगले अंक में
आपकी भी प्रतिभा छप सकती हैं।

'रेलगाड़ी ' पत्रिका के अगले अंक में आप भी छप सकते हैं शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की मौलिक रचनाओं का स्वागत है। आप अपनी लिखी कहानी, कविताओं, लेख , निबंध या चित्रकारी आदि 9838214110 लिखकर व्हाट्सएप कर सकते हैं। हमें अपने विचार भी लिख सकते हैं कि 'रेलगाड़ी 'का यह अंक कैसा लगा। इसको और अच्छा बनाने के लिए अपने अमूल्य सुझाव दे सकते हैं।

- प्रधान संपादक
शरद कुमार वर्मा